Literacy for a Billion

Movie: Lakshya
Year: 2004

Song: Agar Main Kahoon
Lyricist: Javed Akhtar

अगर मैं कहूँ
मुझे तुमसे मोहब्बत है
मेरी बस यही चाहत है
तो क्या कहोगी
अगर मैं कहूँ
मुझे तुमसे मोहब्बत है
मेरी बस यही चाहत है
तो क्या कहोगी
मैं तुमसे कहूँगी
इस बात को अगर तुम
ज़रा और सजा के कहते
ज़रा घुमा फिरा के कहते
तो अच्छा होता
अगर मैं कहूँ
तुमको जब देखूँ
लगती हो जैसे नई
होंठ हैं पंखड़ी फूल की
आँखें जैसे जुगनूँ
चमकते हुए
सोचे मेरा ये दिल
धड़कते हुआ
अगर मैं कहूँ
ये जो चेहरा है
जैसे कोई चाँद है
तो क्या कहोगी
मैं तुमसे कहूँगी
मुझको भूले से भी चाँद

तुम ना कहो
चाँद में तो कई दाग़ हैं
मुझे फूल ना कहना
वो मुरझाते हैं
जुगनूँ ही ना कहना
वो खो जाते हैं
ये बातें पुरानी हैं
जो मुझको सुनाई हैं
किसी और अदा से कहते
ज़रा घुमा फिरा के कहते
तो अच्छा होता
अगर मैं कहूँ
बातें सुनके तुम्हारी
मैं हैरान हूँ
जो भी कहना है
कैसे कहूँ
लगता तुम्हें कुछ भी
अच्छा नहीं
सच को भी कहती हो
सच्चा नहीं
अगर मैं कहूँ
अगर मैं कहूँ
तुम्हें पता नहीं है क्यों
है प्यार मुझे भी तुमसे
तो क्या कहोगे
अगर मैं कहूँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.